

(b) if so, the name of the place?

The Minister of Defence Production in the Ministry of Defence (Shri A. M. Thomas): (a) and (b). The present thinking is in term of locating a plant in Agra District. The exact site has yet to be finalized. The capacity of final product is expected to be roughly 2 tons per day.

स्वर्गीय प्रधान मंत्री की बरगंडा का समारोह

657. श्री नवल प्रभाकर : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या स्वर्गीय प्रधान मंत्री पं० जवाहर लाल नेहरू की पचहत्तरवीं वर्षगांठ के सम्बन्ध में आकाशवाणी, नयी दिल्ली तथा उसके प्रादेशिक केन्द्रों ने किन्हीं विशेष कार्यक्रमों का आयोजन और प्रसारण किया था ;

(ख) यदि हां, तो उनका व्यौरा क्या है ;

(ग) किन-किन भाषाओं में ये कार्यक्रम प्रसारित किये गये थे ; और

(घ) ऐसे वैदेशिक प्रसारण कार्यक्रमों का का व्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री चे० रा० पट्टाभिरामन्) : (क) जी, हां ।

(ख)से(घ) . एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है । [पुस्तकालय में रखा गया— देखिये संख्या LT-3491/64]

स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्री नेहरू के भाषणों के रिकार्ड

658. श्री नवल प्रभाकर : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि स्वर्गीय प्रधान मंत्री पं० जवाहरलाल नेहरू के भाषणों के रिकार्डों को स्थायी रूप से बनाये रखने की व्यवस्था की जा रही है ; और

(ख) यदि हां, तो इस कार्य में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री चे० रा० पट्टाभिरामन्) : (क) और (ख). आकाशवाणी के पास में स्वर्गीय प्रधान मंत्री के भाषणों के लगभग 800 घण्टे की अवधि के रिकार्ड हैं । ये सारे रिकार्ड एहतियात से नई दिल्ली में आकाशवाणी के केन्द्रीय संग्रहालय में सुरक्षित रखे हैं और आगे भी बहुमूल्य राष्ट्रीय सम्पत्ति के रूप में इनकी पूरी हिफाजत की जाएगी ।

आकाशवाणी के देहाती कार्यक्रम

659. श्री नवल प्रभाकर : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी के दिल्ली केन्द्र से देहाती कार्यक्रम हरियाना और ब्रज बोली में प्रसारित किये जाते हैं ;

(ख) यदि हां, तो क्या इस प्रकार के देहाती कार्यक्रम इन दो भाषाओं में आकाशवाणी के अन्य केन्द्रों से भी प्रसारित किये जाते हैं ;

(ग) यदि हां, तो किस-किस केन्द्र से कौन-कौन सी बोली में यह कार्यक्रम प्रसारित किये जाते हैं ;

(घ) उनके प्रसारण के लिये समय का अनुपात कितना-कितना होता है ; और

(ङ) क्या श्रोताओं ने कभी इसका विरोध किया है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : (क) जी, हां । इसके अति-

रिक्त, इन कार्यक्रमों में हिन्दी का भी प्रयोग होता है।

(ख) जी, हाँ।

(ग) और (घ). एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है [पुस्तकालय में रखा गया—
बेल्गिचे सख्या — 3492/64]

(ङ) जी, नहीं।

National Sample Survey in Punjab

660. Shri Daljit Singh: Will the Prime Minister be pleased to state:

(a) the total number of surveys undertaken by the National Sample Survey in Punjab during 1964-65 so far; and

(b) the amount of expenditure involved therein during the same period?

The Prime Minister and Minister of Atomic Energy (Shri Lal Bahadur Shastri): (a) A list of surveys is given in the statement placed in Library. [See No. LT-3493/64].

(b) The expenditure on National Sample Survey is incurred for (1) technical design, including drawing up samples, schedules, instructions, etc., (2) data collection and (3) tabulation. For data collection, the field work in Punjab is conducted by the staff of the Directorate of National Sample Survey. Most of the work relating to design and tabulation is done by the Indian Statistical Institute.

The duration of the National Sample Surveys does not synchronise with the financial years; and, therefore, some of the surveys listed in the attached statement fall partly outside the period in question. The design and tabulation are done on an all-India basis. State-wise and survey-wise apportionments of the expenditure incurred on these items are not available. Because of these factors, the total expenditure on the surveys

for the period in question cannot be specifically indicated. The expenditure incurred by the Directorate of National Sample Survey on field work in Punjab from April 1964 to 30th September, 1964 is approximately Rs. 1,59,100.

Telephone Exchanges

661. Shri Daljit Singh: Will the Minister of Communications be pleased to state the number of telephones and telephones Exchanges in Punjab district-wise as on the 1st October, 1964?

The Deputy Minister in the Department of Communications (Shri Bhagavati): A statement is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-3494/64].

Emergency Commission

**662. { Shrimati Sharda Mukerjee:
Shri Ravindra Varma:**

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) the terms and conditions of the Emergency Commission; and

(b) the percentage of those recruited under the Emergency Commission Rules who will be given permanent Commissions?

The Deputy Minister in the Ministry of Defence (Dr. D. S. Raju): (a) Officers who have been granted Emergency Commissions in the Regular Army (other than in the Army Medical Corps and Remount and Veterinary Corps) are liable to serve for the duration of the present Emergency and for so long thereafter as their services may be required, but their commissions may be terminated at any time by the Government if their services are no longer required. They are recruited as 2nd Lieutenants and are eligible for promotion as Lieutenants after completion of 2 years' commissioned service. For pay and allowances and acting promotion they